CLASS -7

SUBJECT-2ND LANGUAGE HINDI

CHAPTER-3

पेड़-पौधों की कहानी

WORKSHEET

सार :-

.पेड़-पौधों की कहानी एक आत्मकथा है जिसमें पेड़ों ने अपने अंकुरित होने से लेकर सर्वनाश तक की व्यथा व्यक्त की है।

.पेड़ों ने यह भी बताया है कि वे मानव जीवन के लिए कितने उपयोगी हैं।

.भूमि उनकी माता और सूर्य पिता हैं। उनकी जड़ें नीचे की ओर बढ़ती हैं और तना, शाखाएँ, पत्ते और फूल- फल ऊपर की ओर बढ़ते हैं।

.वे मनुष्यों की ही तरह भोजन करते हैं और हमारे लिए प्राणदायक वायु (ऑक्सीजन) छोड़ते हैं।

.सूर्य की किरणों द्वारा वे विकसित होते हैं।

.पेड़ों की कई जातियाँ- प्रजातियाँ है। उनकी छाया भी मनुष्य के लिए लाभकारी है।

.अनाज दालों और सब्जियों के पौधे उनके छोटे भाई-बहन हैं।

.वे अपनी जड़ों द्वारा मिट्टी को बाँधकर भू-क्षरण के अभिशाप से भूमि को बचाते हैं।

.पेड़ों का हर अंग मानव समाज के लिए कल्याणकारी है।

. मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए पेड़-पौधों का सर्वनाश कर रहे हैं।

.वे मनुष्यों से निवेदन करते हैं कि उनको नष्ट ना किया जाए।

.वे मनुष्यों को समझाते हैं कि उनकी रक्षा में ही मानव जाति का कल्याण है।

.वे हर मानव से प्रतिज्ञा करवाना चाहते हैं कि वे अपने जन्मदिन पर एक पेड़ जरूर लगाएँगे।

Q1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए:-

a) **प्राणदायक-**
b) **पल्लवित-**
c) **आत्मसात-**

d) दुर्दशा-

e) मरुस्थल-

f) निर्दयी-

g) ऊर्जा-

h) सतत-

Q2. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाएँ:-

a) कल्याण-

b) वातावरण-

c) प्राणदायक-

d) हानिकारक-

Q3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:-

a) हम संपूर्ण मानव जाति के .....हैं।

b) ..... का एक भाग मिट्टी के अंदर रहता है।

c) सूर्य की किरणों का ..... पाकर हम विकसित होते हैं।

d) ..... हमारे जीवन का मूल मंत्र है।

e) तुम ..... के कारण हमें नष्ट करते जा रहे हो।

f) हम भी तुम..... की तरह भोजन करते हैं।

g) हम तुम्हारे द्वारा छोड़ी गई .....वायु को आत्मसात करते हैं।

h) प्रण करो कि अपने..... पर एक पेड़ अवश्य लगाओगे।

EXERCISES FROM THE BACK OF THE LESSON

PAGE NO.29:-

Q1. लिखित

Q2. विस्तार से लिखें:- (ONLY QUESTION NO.(iii)

PAGE NO.30:-

Q4. सही मिलान करें:-

PAGE NO.31:-

Q2. दिए गए शब्दों के सही वचन चुनकर लिखें:-₩